CHAPTER-1
European Renaissance

The secular trends that emerged in Europe between the 14th and 16th centuries were termed Renaissance consciousness, with humanity as its central theme.

अध्याय-1
यूरोपीय पुनर्जागरण

- 14वीं से 16वीं शताब्दी के बीच यूरोप में जिन लौकिक प्रवृत्तियों का उदय हुआ उसे पुनर्जागरण चेतना का नाम दिया गया जिसका केन्द्रीय तथ्य मानवता था।

मध्यकाल
रोमन साम्राज्य
चर्च का पोप
राजनीति का नियंत्रक
(यूरोप में)
धार्मिक नियंत्रणकर्ता
दोनों संस्थाओं के महत्व में कमी
(15वीं शताब्दी)
स्वतंत्र होते छोटे - छोटे राज्य शक्तिशाली
फलतः नये ढंग से चिंतन को प्रोत्साहन
पुनर्जागरण
समाज में परिवर्तन
विज्ञान /तर्कवाद
सांस्कृतिक जीवन में परिवर्तन
लोगों में जागरूकता
मध्ययुग की समाप्ति
आधुनिक युग की शुरूआत

Renaissance;Background

There were two institutions that controlled Europe in middle age. The Holy Roman Empire that controled the political life of the people.

पुनर्जागरण; पृष्ठभूमि

मध्य युग में यूरोप पर दो संस्थाओं का नियंत्रण था। पवित्र रोमन साम्राज्य, जो लोगों के राजनीतिक जीवन को नियंत्रित करता था।

The pope of the Roman Catholic Church controlled the religious life of Europeans. Both began to lose their power in 15th Century. New and small nations started to emerge. People started writing in their own languages instead of Latin. Now people could think in a new way.

रोमन कैथोलिक चर्च के पोप यूरोपीय लोगों के धार्मिक जीवन को नियंत्रित करते थे। 15वीं शताब्दी में दोनों की शक्ति कम होने लगी।नए और छोटे राष्ट्र उभरने लगे। लोग लैटिन की बजाय अपनी भाषा में लिखने लगे। अब लोग नए तरीके से सोच सकते थे।

Thus new awakening came into existence in the history of Europe. It was called European Renaissance.

This awakening made major changes in the society which ended medieval age and began modern age.

इस प्रकार यूरोप के इतिहास में एक नई जागृति आई जिसे यूरोपीय पुनर्जागरण कहा गया।

इस जागृति ने समाज में बड़े परिवर्तन किये जिससे मध्यकालीन युग का अंत हुआ और आधुनिक युग का प्रारंभ हुआ।

Meaning of European Renaissance

The literal meaning of Renaissance is ‘Rebirth’ in French. It refers to the rediscovery of the classical writings (Ancient Greek & Romans) and Revival of the learning.

यूरोपीय पुनर्जागरण का अर्थ

पुनर्जागरण का शाब्दिक अर्थ फ़्रांसीसी में 'पुनर्जन्म' है। यह शास्त्रीय लेखन (प्राचीन यूनानी और रोमन) की पुनर्खोज और शिक्षा के पुर्नस्थापना को संदर्भित करता है।

Renaissance made discoveries in many fields. New scientific laws were discovered, new forms of arts and literature were developed, new political and religious ideas were founded and new lands were discovered including America.

पुनर्जागरण ने कई क्षेत्रों में खोजें कीं। नए वैज्ञानिक नियमों की खोज हुई, कला और साहित्य के नए रूप विकसित हुए, नए राजनीतिक और धार्मिक विचारों की नींव पड़ी और अमेरिका सहित नए देशों की खोज हुई।

Renaissance was a temperamental change which changed the mindset of the European people. People became free from shackles and dogmatism .Thus fresh intellectual atmosphere was created .

पुनर्जागरण एक स्वभावगत परिवर्तन था जिसने यूरोपीय लोगों की मनोदशा को बदल दिया। लोग बंधनों और हठधर्मिता से मुक्त हुए। इस प्रकार एक नए बौद्धिक वातावरण का निर्माण हुआ।

Causes of Renaissance

1. Crusades
2. Commercial prosperity
3. Paper and printing press
4. Control over Constantinople by Ottoman Turks
5. The Rise of the Mangolian Empire.

पुनर्जागरण के कारण

1.धर्मयुद्ध
2.व्यावसायिक समृद्धि
3.कागज़ और मुद्रणालय
4.तुर्कों द्वारा कांस्टेंटिनोपल पर नियंत्रण
5.मंगोलियाई साम्राज्य का उदय।

Nature of Renaissance

1. Humanistic Movement
2. Secular Movement
3. Intellectual Movement
4. Urban Seminarist Movement
5. Socio – religious Movement

पुनर्जागरण की प्रकृति

1.मानवतावादी आंदोलन
2.धर्मनिरपेक्ष आंदोलन
3.बौद्धिक आंदोलन
4.शहरी संगोष्ठी आंदोलन
5.सामाजिक-धार्मिक आंदोलन

Nature of Renaissance

1. Humanistic Movement

- Renaissance was a humanitarian movement. It was knowledge base version of humanism. It focused on the value of human being. Petrarch was considered as the Father of Humanism..

पुनर्जागरण की प्रकृति

1-मानवतावादी आंदोलन

- पुनर्जागरण एक मानवीय आंदोलन था। यह मानववाद का ज्ञान-आधारित संस्करण था। इसने मानव के मूल्य पर ध्यान केंद्रित किया। पेट्रार्क को मानववाद का जनक माना जाता है।

- Renaissance was a secular movement. This secularism was based on humanism. Renaissance scholars wanted to save society, literature and culture from the influence of church.
- पुनर्जागरण एक धर्मनिरपेक्ष आंदोलन था। यह धर्मनिरपेक्षता मानवतावाद पर आधारित थी। पुनर्जागरण के विद्वान समाज, साहित्य और संस्कृति को चर्च के प्रभाव से बचाना चाहते थे।

- Renaissance was an intellectual movement. It emphasized on logic and science. It tried to revive the classical learning (Aristotle and Plato).
- पुनर्जागरण एक बौद्धिक आंदोलन था। इसने तर्क और विज्ञान पर ज़ोर दिया। इसने शास्त्रीय शिक्षा (अरस्तू और प्लेटो) को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया।

- Renaissance was a Urban Seminarist movement It was started by a small group of intellectuals from small city of Italy.
- पुनर्जागरण एक शहरी गोष्ठीवादी आंदोलन था जिसे इटली के एक छोटे से शहर के बुद्धिजीवियों के एक छोटे समूह द्वारा शुरू किया गया था।

- It was a socio – religious reform movement. The medieval catholic Church came to be associated with superstitions, corruption and greed for money.
- यह एक सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलन था। मध्ययुगीन कैथोलिक चर्च अंधविश्वास, भ्रष्टाचार और धन के लालच से जकड़ा हुआ था।

- All these changed with the coming of Renaissance. The Movement also took place within the Catholic Church. Martin Luther (Father of Reformations) advised that salvation could be achieved by faith in Jesus Christ instead of having blind faith on the Church.
- पुनर्जागरण के आगमन के साथ ये सब बदल गया। यह आंदोलन कैथोलिक चर्च के भीतर भी चला। मार्टिन लूथर (सुधारों के जनक) ने सलाह दी कि चर्च पर अंध विश्वास करने के बजाय, ईसा मसीह में विश्वास करके मोक्ष प्राप्त किया जा सकता है।

Contribution of Renaissance

पुनर्जागरण का योगदान

1. Humanism — मानवतावाद
2. Printing Press — मुद्रणयंत्र
3. New Religion — नया धर्म
4. Science — विज्ञान
5. Arts — कला
6. Explorations — अन्वेषण

Italy- The birth place of Renaissance

The gleam of renaissance first spread in Italy and from there it's light diffused in Germany, England, France and other European countries.

इटली - पुनर्जागरण का जन्मस्थान

पुनर्जागरण की चमक सबसे पहले इटली में फैली और वहीं से जर्मनी, इंग्लैंड, फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों में फैली।

Why did the renaissance begin in Italy only?

European renaissance emerged in Italy because the vestiges of significant ancient achievement were still gleaming faintly. There was ancient tradition of acquiring knowledge was still alive.

पुनर्जागरण की शुरुआत इटली में ही क्यों हुई?

यूरोपीय पुनर्जागरण इटली में इसलिए उभरा क्योंकि वहाँ महत्वपूर्ण प्राचीन उपलब्धियों के अवशेष अभी भी धुंधले रूप से चमक रहे थे। ज्ञान प्राप्ति की प्राचीन परंपरा अभी भी जीवित थी।

There was a competition for the rise of new cities and there were many people who patronized art and literature.

The ancient Italian relics had inspired a critical outlook among the scholars since the days of Petrarch.

नए शहरों के उदय की होड़ मची हुई थी और कला व साहित्य को संरक्षण देने वाले बहुत से लोग थे।

प्राचीन इतालवी अवशेषों ने पेट्रार्क के समय से ही विद्वानों के बीच आलोचनात्मक दृष्टिकोण को प्रेरित किया था।

Causes of the origin of renaissance in Italy-

1-Liberal and free thinking atmosphere of Italy.

2-Italy was a rich country; it's source of richness was overseas trade.

इटली में पुनर्जागरण की उत्पत्ति के कारण-

1-इटली का उदार एवं स्वतंत्र चिंतन वाला वातावरण।

2-इटली एक समृद्ध देश था; इसकी समृद्धि का स्रोत विदेशी व्यापार था।

3- Cities of Italy provided a backdrop for Renaissance because there were various museums, public libraries and theatres in Italy.

4-The Bourgeoisie emerged out from Italian prosperity who did not care feudal lords and Pope.

3- इटली के शहरों ने पुनर्जागरण के लिए पृष्ठभूमि प्रदान की क्योंकि इटली में विभिन्न संग्रहालय, सार्वजनिक पुस्तकालय और थिएटर थे।

4- इटली की समृद्धि से पूंजीपति वर्ग का उदय हुआ, जिसने सामंती कुलीनों और पोप की परवाह नहीं की।

5- The Bourgeoisie made up their mind to patronize artists and scholars in order to make good use of their surplus money.

6- Italy was the birth place of Ancient civilization.

5- पूंजीपति वर्ग ने अपने अधिशेष धन का सदुपयोग करने के लिए कलाकारों और विद्वानों को संरक्षण देने का मन बनाया।

6- इटली प्राचीन सभ्यता का जन्मस्थान था।

7-Rome was still the center of the European Christianity.

8-The growth of business in Italy necessitated a new trend in education which led emphasis on vocational and geographical knowledge.

7-रोम अभी भी यूरोपीय ईसाई धर्म का केंद्र था।

8-इटली में व्यापार के विकास ने शिक्षा में एक नई प्रवृत्ति को जन्म दिया, जिसके कारण व्यावसायिक और भौगोलिक ज्ञान पर ज़ोर दिया गया।

9- When the Turks occupied Constantinople in 1453 AD, a large number of fugitive Greek scholars, artists and businessmen migrated to the various cities of Italy . Many fugitive scholars were appointed as teachers in Italian schools, colleges and universities. This learned class became the precursor of awakening.

9- जब 1453 ई. में तुर्कों ने कुस्तुन्तुनिया पर कब्ज़ा कर लिया, तो बड़ी संख्या में यूनानी विद्वान, कलाकार और व्यापारी इटली के विभिन्न शहरों में पलायन कर गए। कई विद्वानों को इतालवी स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में शिक्षक नियुक्त किया गया। यह विद्वान वर्ग जागृति का अग्रदूत बना।